नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

'लू' की चेतावनी, आसमान से उतरता संकट

देश भर के लगभग 40 और मध्य प्रदेश के चार से ज्यादा शहरों में इस समय तापमान 44 से 45 डिग्री चल रहा है. पहाड़ी प्रदेशों को छोड़ दें तो पूरे देश में ही अमूमन 40 डिग्री टेंपरेचर की गर्मी है. दरअसल,यह अब अपवाद नहीं, बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति का संकेत बन चुका है. देश के बड़े हिस्से,दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और तेलंगाना,इन दिनों जिस असामान्य गर्मी की चपेट में हैं, उसका कारण केवल मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि 'हॉट डोम' यानी उष्मा का छत्रीनुमा गुंबद है. यह स्थिति तब बनती है, जब उच्च दबाव की प्रणाली किसी क्षेत्र में स्थिर हो जाती है और गर्म हवा को धरती के करीब कैद कर देती है. नतीजा,लगातार बढ़ता तापमान, भीषण लू और जनजीवन पर सीधा असर.

भारतीय मौसम विभाग ने पहले ही चेताया है कि आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में लू का प्रकोप और बढ़ सकता है. इस बार खतरा इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि कई इलाकों में नमी वाली गर्मी भी साथ जुड़ रही है, जो शरीर के लिए और अधिक घातक साबित होती है. 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच झूलता तापमान केवल असुविधा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य आपातस्थिति का संकेत है. खासकर बच्चे और बुजुर्ग इसके सबसे आसान शिकार बनते हैं. लू का असर केवल बाहरी नहीं, बल्कि शरीर के भीतर भी गहरा होता है. जब बाहरी तापमान शरीर के आंतरिक संतुलन को बिगाड़ देता है, तो मस्तिष्क का 'हाइपोथैलेमस' तापमान नियंत्रित करने में विफल होने लगता है. इसके परिणामस्वरूप डी-हाइड्रेशन, अंगों की निष्क्रियता और यहां तक कि जानलेवा स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है. यह स्पष्ट करता है कि लू कोई सामान्य गर्मी नहीं, बल्कि एक गंभीर चिकित्सीय चुनौती है.

लेकिन इस संकट की जड़ें और गहरी हैं. 'हॉट डोम' जैसी घटनाएं जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग का प्रत्यक्ष परिणाम हैं. बढ़ती ग्रीनहाउस गैसें, अनियंत्रित औद्योगिकीकरण और प्रकृति के साथ असंतुलित विकास ने वायुमंडल की संरचना को बदल दिया है. वैज्ञानिकों की चेतावनी है कि यदि यह प्रवृत्ति जारी रही, तो भविष्य में ऐसे 'आकाशीय प्रलय' और अधिक तीव्र होंगे. खेत बंजर होंगे, जल स्रोत सूखेंगे और जीव-जंतुओं का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा.

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें भी इस खतरे की पुष्टि करती हैं. दक्षिण एशिया को 2030 तक बाढ़ और जल संकट के रूप में भारी आर्थिक और सामाजिक नुकसान झेलना पड़ सकता है. महासागरों में बढ़ती कार्बन डाइऑक्साइड ने उनकी अवशोषण क्षमता को कम कर दिया है, जिससे वे अब 'कार्बन सिंक' के बजाय 'कार्बन स्रोत' बनने की ओर बढ़ रहे हैं. यह स्थिति वैश्विक तापमान को और तेज़ी से बढ़ाने वाली है. ऐसे में सवाल केवल मौसम का नहीं, बल्कि हमारी विकास नीति का है. क्या हम अब भी चेतेंगे या तब तक इंतजार करेंगे जब तक प्रकृति का संतुलन पूरी तरह बिगड़ न जाए? 'हॉट डोम' एक अस्थायी घटना नहीं, बल्कि एक स्थायी चेतावनी है. समय की मांग है कि सरकारें सख्त पर्यावरणीय नीतियां लागू करें, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दें और आम नागरिक भी अपनी जीवनशैली में बदलाव लाएं .दरअसल,

प्रकृति के साथ संतुलन ही अस्तित्व की कुंजी है. अगर हमने अब भी नहीं समझा, तो यह तपता आसमान आने वाले समय में जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा बन सकता है.

मालवा- निमाड़ की डायरी

चर्बीकांड : आस्था पर चोट, घेरे में अफसर भी

संजय व्यास

निमाड़ क्षेत्र का खंडवा कभी प्रसिद्ध कलाकार अशोक कुमार, किशोर कुमार, अनोप कुमार के पैतृक निवास के कारण प्रख्यात था. शनै: शनै प्रसिद्धि बढ़ती आपराधिक गतिविधियों की वजह से कुख्याती में बदल गई और खंडवा का नाम कुख्यात कारनामों में भी शुमार होने लगा. अभी तक आतंकवादी गतिविधियों के अलावा खतरनाक हथियार बेचने के ही मामले मिले थे. स्लॉटर हाउस 50 साल से बदनाम है, इसे कोई नहीं रोक पाया. अब तो, उससे भी आगे बढक़र जानवरों की चर्बी में फ्लेवर और एसेंस मिलाकर घी बनाया जा रहा है. अनजाने में इसका उपयोग खाद्य प्रोडक्ट के अलावा लोग हवन और पूजन में भी कर रहे हैं. हाल ही में प्रशासन की बड़ी टीम ने छापेमारी की, तो उनके भी रोंगटे खड़े होने वाला खुलासा हुआ.

जानवरों को क्रूरता से मारकर मांस बेचने के साथ इनकी हड्डी और चर्बी से घी बनाकर बाजार में उतार जा रहा था. आंतों में मसाला भरकर समोसे बनाए जाने का मामला भी चर्चा में आया है, जिसकी देश भर में सप्लाई की बात भी सामने आई. यहां तक कि जिस उद्योग की आड़ में यह सब किया जा रहा था, उसका लायसेंस 3 साल पहले ही खत्म हो चुका था. बताया जा रहा है कि कार्रवाई में 3000 किलो से ज्यादा घी, दो ट्रक से ज्यादा हड्डियां और 10 बोरे सींघ प्रशासन ने जप्त किए. इस खुलासे पर यहां खाद्य एवं औषधि विभाग की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे है. वर्षों से इस उद्योग में क्या हो रहा है, सुध तक नहीं ली.

कलेक्टर से बड़ा खाद्य अधिकारी!

चर्चा है कि अपने पर उठे सवाल तो एक अधिकारी प्रशासन की इतनी बड़ी कार्रवाई को ही गलत ठहराने लगे. इतने बड़े गुनहगार को बचाने के लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग का अधिकारी आ गया यह अधिकारी कलेक्टर को भी चैलेंज देता हुआ मीडिया के सामने पाया गया. दरअसल एसडीएम ने कलेक्टर के निर्देश पर छापा मारा. नगर निगम की टीम के साथ महापौर और विधायक भी पहुंच थे. अब इतने घिनौने खुलासे पर जवाबदेही की बात आई तो अपने को बेदाग साबित करने खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारी गोले इस छापे को ही चेलेंज देने लगे. उनका कहना था कि चर्बी मिली है, लेकिन घी बनाने का कोई उपकरण नहीं. ऐसे में सरकार को ऐसे अफसर पर पहले कार्रवाई करनी चाहिए. इसके साथ ही शाकाहारी लोगों को भी मांसाहारी बनाने और उनकी पूजा को भ्रष्ट करने, आस्था से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए.

अंचल भर के कांग्रेसी भी आक्रोशित

कांग्रेस, जिस पर एक वर्ग विशेष को सपोर्ट करने के आरोप लगते रहे हैं, वह भी चर्बीकांड के खिलाफ उतर आई है. झाबुआ से नीमच तक, खरगोन-बड़वानी से धार तक व रतलाम से आगर तक अंचल के कांग्रेसियों में विरोध के स्वर सुनाई दे रहे हैं और इस घिनौने कृत्य की निंदा की है. खंडवा क्षेत्र के कांग्रेसियों का तो यहां तक कहना है कि ऐसे लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाने चाहिए. उनकी संपत्ति खाक कर दी जानी चाहिए.

पार्षद-सीएमओ विवाद निपटाने पुलिस का दखल

एक तो नेपानगर नगर पालिका की पीआईसी की बैठक बड़ी मुश्किल से हुई, लेकिन सीएमओ की नदारदगी मामला गरमा गया. बैठक बिना कोई कार्यवाही के अगले दिन के लिए टालना पड़ी. दूसरे दिन बैठक हुई तो नाराज एक महिला पार्षद ने सीएमओ की क्लास ले डाली. दरअसल सीएमओ मोहन सिंह अलावा की कार्यप्रणाली से न सिर्फ पार्षद बल्कि लोग भी खासे नाराज हैं. नपा की बैठक में वार्ड नंबर 11 की पार्षद योगिता राजू पाटील ने कहा शहर के लोग आपकी कार्यप्रणाली से नाराज हैं. आप किसी का भी फोन नहीं उठाते. वार्ड में कई समस्याएं हैं, आपको शिकायत के बाद भी निराकरण नहीं किया जाता. इस पर सीएमओ ने कह दिया- फालतू बात मत करो. इस बात पर योगिता राजू पाटील भडक़ गईं और काफी बहसबाजी का दौर चला. हालत इस कदर बिगड़ गए कि मामला शांत कराने पुलिस को बुलवाना पड़ा.

महिला भागीदारी के बिना

5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का सपना अधूरा

सीए अखिलेश जैन

भारत लोकतंत्र की जननी है, भारत को मदर ऑफ डिमोक्रेसी कहा जाता है और भारत की आजादी के स्वर्णिम काल में भारत एक अति महत्वपूर्ण, अत्यावश्यक व दूरदृष्टि से भरा निर्णय होते -होते रह गया, यह निर्णय केवल राजनीतिक निर्णय भर नहीं था. मातृशक्ति वंदन अधिनियम को लागू करना केवल राजनैतिक निर्णय कहना निर्णय के साथ नाइंसाफी है. इस निर्णय के दूरगामी परिणामों का विश्लेषण करना अत्यावश्यक है.

महिलाएँ पंचायत से लेकर स्थानीय निकायों का नेतृत्व काफी समय से कर रही हैं. अगर महिलाओं को संसद व विधानसभाओं में आरक्षण का लाभ मिल जाता है, तो तमाम राजनैतिक दलों को महिलाओं की उन्नति का नारा देकर काम निकालने की जगह वास्तव में महिला प्रतिनिधियों को संसद व विधानसभाओं के लिए अवसर प्रदान करना पड़ता और धीरे -धीरे महिला नेतृत्व समय के साथ परिपक्वता को प्राप्त कर लेता.

जिस देश को लोकतंत्र की जननी कहा जाता है, उसी देश में 50 प्रतिशत आबादी को नीति - निर्णय में भागीदारी से दूर रखने का बहुत दुर्भाग्यपूर्ण प्रयास हुआ है, लोकतंत्र की दुहाई देने वालों ने लोकतंत्र की जड़ों को सींचने की जगह, लोकतंत्र की जड़ों पर मठठा डाल दिया, वो भी केवत निहित स्वार्थों के चलते.

भारत की आर्थिक, राजनीतिक व सामाजिक प्रगति का आधार भारत का लोकतंत्र है। लोकतंत्र व संविधान ने भारत के प्रत्येक नागरिक को समान नागरिक अधिकार प्रदान किये हैं। देश आज उस मोड़ पर आकर खड़ा है जहाँ से विकसित भारत-2047, 5 ट्रिलियन डॉलर कि अर्थव्यवस्था का सपना संजोये हुआ है. आजादी के 78 वर्षों के बाद भी महिलाओं का योगदान विनिर्माण क्षेत्र में 27 प्रतिशत तक ही पहुँच पाया है. वो भी मोदी सरकार के तमाम प्रयासों के बाद, अगर भारत को विकसित भारत- 2047 तथा 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य निर्धारित समय सीमा में हासिल करना है तो देश की 50 प्रतिशत आबादी को घरों से बाहर निकाल कर देश निर्माण में भागीदार बनाना ही पड़ेगा.

महिलाओं की नीति - निर्णय में हिस्सेदारी निश्चित रूप से सरकार की नीति - निर्णयों को प्रभावित करती, महिलाओं के पक्ष को मजबूती मिलती, 50 प्रतिशत आबादी का योगदान सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ता, महिला सुरक्षा और मजबूत होती, महिलाओं को तमाम नए अवसर मिलते, विशिष्ट परिवारों की महिलाओं का वर्चस्व टूटता, सामान्य परिवारों और छोटी - छोटी जगह की महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक निर्णयों में भागादारी होती, वास्तव में सम्पूर्ण देश की महिलाओं का वास्तविक प्रतिनिधित्व होता, निश्चित रूप से प्रगति का पहिया अपने आप तीव्र गति से दौड़ता.

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने में आने वाली रुकावटें जब तक जारी रहेंगी, नीति - निर्णयों में महिलाओं की भागीदारी का पक्ष जब तक जनसामान्य की महिलाओं तक पहुँच कर मजबूत व स्थाई नहीं होता, तब तक विकसित भारतज्ञ 2047 व 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य भारत में कठिनाईयों से भरा रहेगा, महिलाओं की नीति - निर्णयों में भागीदारी के बिना अगर एक बार विकसित भारतज्ञ 2047 व 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य किसी तरह हासिल भी कर लिया जाता है तो उसके स्थायित्व पर शंका सदैव बनी रहेगी.

(लेखक- भाजपा मध्यप्रदेश के प्रदेश कोषाध्यक्ष हैं)

मालेगांव प्रकरण में जांच एजेंसियां विफल

मालेगांव मामले के 7 अभियुक्त जिनमें एक पाकिस्तानी भी था, नहीं मिल पाए. एनआईए ने 2011 में यह केस अपने हाथ में लिया और 2013 में चार्जशीट पेश की. इनमें दक्षिणपंथी अतिवादियों को इस मामले से जोड़ा.

मालेगांव में 8 सितंबर 2006 में हुए 4 धमाकों में 31 लोगों की मौत हुई थी और 300 से ज्यादा घायल हुए थे. उन्हें न्याय नहीं मिल पाया. इस मामले की जांच व पुख्ता सबूत जुटाने में महाराष्ट्र एटीएस तथा सीबीआई व एनआईए जैसी केंद्रीय एजेंसियों का पूरी तरह विफल रहना उनकी क्षमता पर सवालिया निशान लगाता है. अदालत में अभियोजन मामला सिद्ध नहीं कर पाया. इस मामले में बचे हुए 4 अभियुक्त भी रिहा कर दिए गए. गत वर्ष पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञासिंह ठाकुर व लेफ्टिनेंट कर्नल (अब ब्रिगेडियर) प्रसाद पुरोहित सहित 7 अभियुक्तों को एनआईए कोर्ट ने रिहा कर दिया था क्योंकि उनके खिलाफ स्वीकार करने योग्य विश्वसनीय सबूत नहीं पाया गया था. यह जांच एजेंसियों की विफलता है या उन पर आए राजनीतिक दबाव का संकेत है कि मामला कमजोर तरीके से अदालत में पेश किया गया? एटीएस ने पहले 9 मुस्लिमों को अभियुक्त बनाया था जिनमें से 2 मुंबई लोकल ट्रेन धमाकों से भी जुड़े थे. यह अभियुक्त भी बाद में रिहा कर दिए गए. जो लोग रिहा किए गए उनकी शिकायत थी कि उन्हें टॉर्चर देकर जबरन अपराध स्वीकार करने को कहा गया था. जांच एजेंसियां सिलसिलेवार सबूत पेश करने में असमर्थ रहीं. प्रारंभिक जांच महाराष्ट्र के एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे ने की थी जो 2008 में हुए मुंबई आतंकी हमले में शहीद हो गए थे. एटीएस ने गवाहों के बयान तथा साजिश के वीडियो तथा टेप की गई बातचीत के आधार पर केस तैयार किया था लेकिन इसे इसलिए स्वीकार नहीं किया गया क्योंकि इलेक्ट्रानिक सबूत की जांच की कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं की गई थी. लगातार आतंकी घटनाएं होती रहीं. 2002 का अक्षरधाम आतंकी हमला, 2006 में मालेगांव ब्लास्ट, 2008 में मुंबई पर आतंकी हमला हुआ.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

आप यहां आए किसलिए? आपने बुलाया इसलिए!

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हमें 'आप' के दो तिहाई सांसदों के बीजेपी में शामिल हो जाने से फिल्मी गीत याद आया आप यहां आए किसलिए, आपने बुलाया इसलिए, आए हैं तो काम तो बताइए, पहले जरा आप मुस्कुराइए!'

हमने कहा, 'आम के मौसम में आम आदमी पार्टी को करारा झटका लगा. केजरीवाल को दलबदल के भूचाल ने हिला दिया. राघव चड्ढा ने उनकी पार्टी में गहरा गड्ढा कर दिया. केजरीवाल को रहने के लिए अपना बंगला देनेवाले अशोक मित्तल भी आप की परोसी पत्तल छोड़कर भाजपा के भोज में शामिल हो गए.'

पड़ोसी ने कहा, 'दरअसल केजरीवाल की नजर कमजोर है. वह देख नहीं पाए कि बीजेपी ने कैसा जाल फैलाकर अपना कमाल दिखलाया. अंदर ही अंदर इतना जबरदस्त खेल हो गया. उन्होंने यह गाना सुना होता तो सतर्क हो जाते-आप के कमरे में कोई रहता है, ये हम नहीं जमाना कहता है! आम आदमी पार्टी के बागी सांसद बीजेपी के बगीचे में जाकर बाग-बाग हो गए होंगे. वह मोदी और शाह

की ओर देखकर गा रहे होंगे- आपकी नजरों ने समझा प्यार के काबिल मुझे, दिल की ऐ धड़कन ठहर जा, मिल गई मंजिल मुझे! अब मित्तल पर लगा ईडी का ग्रहण हट जाएगा. बीजेपी की स्ट्रांग डिटर्जेंटवाली वाशिंग मशीन उन्हें इतना उजला कर देगी कि दाग! ढूंढ़ते रह जाओगे! बीजेपी कांग्रेस को टुकड़े-टुकड़े गैंग कहती है और खुद विपक्षी पार्टियों के टुकड़े कर उन्हें अपने तंबू में शरण देती है.

शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस के बाद 'आप'! तोड़फोड़ में बीजेपी सबकी बाप! अब भगवंत मान की पंजाब सरकार पर खतरे के आसार हैं. हवाओं में पगड़ी संभाल जट्टा, पगड़ी संभाल का गीत गूंज रहा है. केजरी अकेले बैठे खंजरी बजा रहे हैं. अपने भूतपूर्व चेले की दुर्दशा पर अन्ना हजारे जश्न मना रहे हैं. केजरी और सिसोदिया के सामने भी समस्या है. जितनी तेजी से आम आदमी पार्टी उठी, उतनी ही तेजी से बैठती जा रही है. अपने से दूर चले जानेवाले साथियों से केजरीवाल कह सकते हैं आप तो ऐसे न थे! अपनी नाकामी पर सिसकियां भरते हुए केजरीवाल भराए गले से पुराना गीत गा सकते हैं- आप आए तो खयाले-दिले नाशाद आया, कितने भूले हुए जख्मों का पता याद आया !'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12242 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4		■	5	6
7				■	8		
	■	9		10	■	■	
■	11			■		12	
13			■	14	15		■
16		■	17				18
19		20	■	21		■	
	■	22		■	23		

3.उत्तम आचरण, अच्छा चाल-चलन 4. पेय, आम आदि को भूनकर बनाया गया खट्टा-मीठा पेय पदार्थ, पना 5. मूल्य, कीमत 6. शब्दों का ठीक प्रकार से उच्चारण न करने के कारण रुक-रुक कर बोलना 10. जौहरी 11. नूतनता, नयापन 12. बड़ी टोकरी 13. राजा, सृष्टिकर्ता 15. चक्कर खाना, चकित होना या करना 18. रगड़ने की क्रिया या भाव, अत्यधिक परिश्रम करना 20. कौआ, बोतल शीशी आदि की डाट

बाएं से दाएं
1. विश्वसनीय, जिसका विश्वास किया जाए 5. ताप, जलन, जलाना (सं.) 7. पान के पत्ते और मसाले रखने का डिब्बा 8. प्रकाश, आभा, क्रांति 9. चकवा 11. पुरुष जाति का 12. तंत्र-मंत्र का प्रयोग, जादू 13. किसी कार्य में विशेष रूप से निपुण, कुशल 14. पचाने अथवा पकाने वाला 16. प्राण, ज्ञान, जीवन 17. स्थिर, कायम (उर्दू) 19. झंडा, ध्वज 21. ककड़ी 22. पहरा, भ्रमण, घूमना (उर्दू) 23. नाक का एक रोग

ऊपर से नीचे
1. व्यास नदी (सं.) 2. कुत्ता (सं.)

Solution 12241

अ	भि	वा	द	न	■	आ	ब
प्र	दा	य	■	■	अ	ज्ञा	त
क	■	व्य	व	धा	न	■	र
ट	र	■	स	क	ल	■	स
■	क्त	■	न	■	■	सु	■
शा	पि	त	■	श	मा	दा	न
■	पा	क	क	ला	■	मा	ह
हं	सु	ली	■	का	ला	■	ला

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में यात्रा होगी. पद एवं स्थान परिवर्तन के योग है. शारीरिक कष्ट का सामना करना पडेगा. भौतिक सुख प्राप्त होगा. उत्तरदायित्वों को सम्हालने की आवश्यकता है. वर्ष के मध्य में व्यापार के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. यात्रा से कष्ट होगा. वर्ष के अन्त में विवाद एवं मतभेद हो सकते है. आय में सुधार होगा. भाईयों का सहयोग रहेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को रचनात्मक प्रयास सार्थक होंगे. भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को यात्रा का योग है. दाम्पत्य जीवन में कलह की स्थिति न आने दें. सिंह राशि के व्यक्तियों को कार्यो में वृद्धि होगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को दिनचर्या में व्यवधान आयेगा. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को राजनीतिक गतिविधियों में वृद्धि होगी. पद एवं प्रभाव बना रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, चतुर, भावुक, कल्पनाप्रिय, व्यवहार का कुशल होगा, इसकी शिक्षा अच्छी रहेगी, लेखन, अध्ययन, संगीत, काव्य में रूचि रहेगी, ये अच्छे विचारक एवं कलाकार होते हैं, समाज सेवा में इनकी अधिक रूचि रहेगी, राजनैतिक होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

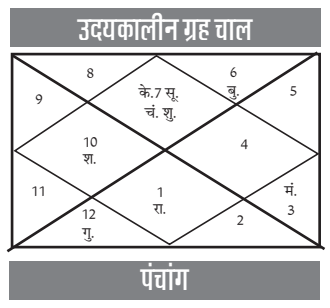

पंचांग

रा.मि. 08 संवत् 2083 वैशाख शुक्ल द्वादशी भौमवासरे रात 7/23, उत्तराफाल्गुनी नक्षत्रे रात 11/11, व्याघात योगे रात 9/54, वव करणे सू.उ. 5/33, सू.अ. 6/27, चन्द्रचार कन्या, शु.रा. 6, 8, 9, 12, 1, 4 अ.रा. 7, 10, 11, 2, 3, 5 शुभांक- 8, 0, 5.

व्यापार भविष्य

वैशाख शुक्ल द्वादशी को उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के प्रभाव से सूत, कपास, गेहू, जौ, चना, सोना, चांदी, में तेजी होगी, गुड़, खांड, धनियां, के भाव में मंदी होगी, जूट पाट, बारदाना, पूर्ववत रहेंगे, भाग्यांक- 5642 है.

मेष- धर्म-कर्म में आस्था बढ़ेगी, कारोबारी दूर दराज की यात्रा हो सकती है, भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी, मित्रता उपयोगी रहेगी.

वृषभ- लाभ में संतोष मिलेगा, पुराने रूके कार्यों में सफलता के योग है आत्म विश्वास बढ़ेगा, धैर्य एवं साहस से कार्य बनेगा, परिश्रम अधिक करना पड़ सकता है.

मिथुन- मन की बात मित्रों से कह दें, इससे तनावकम होगा, पारिवारिक यात्रा संभव है,किया गया प्रयास सफल होगा, मित्रता लाभकारी रहेगी.

कर्क- तनाव में फैसला लेना मुश्किल होगा, व्यर्थ के कार्य परेशान कर सकते हैं, मनोरंजन, उत्सव एवं भ्रमण के अवसर मिलेंगे. पुराना पैसा मिलने का योग है.

सिंह- धार्मिक आयोजन में शामिल होकर खुशी मिलेगी, अनुभवी लोगों का साथ सफलता दिलायेगा, जमीन संबंधी विवाद हल होगा. मनोरंजन आदि पर व्यय होगा.

कन्या- व्यापार से संबंधित कार्यों में सफलता का योग है, वाणी पर संयम रखें, नौकरी में परिश्रम अधिक करना पड़ेगा, मित्र वर्ग मदद करेंगे.

तुला- आकस्मिक धन लाभ होगा, परिचय क्षेत्र का विकास होगा, साहस पराक्रम बढ़ेगा, अतिथि आगमन का योग है, व्यय की अधिकता रहेगी.

वृश्चिक- तीखी बातों से अपनों को नाराज कर सकते हैं, कानूनी मामलों में धैर्य से काम लें, भाग्यवर्धक समाचार मिलेगा, आत्म विश्वास मनोबल बना रहेगा.

धनु- सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होकर खुशी मिलेगी, संबंधों में मधुरता एवं प्रेम बढ़ेगा, आलस्य को त्यागें, कार्यो मेंबाधा उत्पन्न हो सकती है.

मकर- विपरीत माहौल में खुद के लिये अनुकूलता बना लेंगे, कार्यक्षेत्र की उलझनें दूर होगी, पारिवारिक सुख समृद्धि रहेगी, व्यापार व्यवसाय लाभदायक रहेगा.

कुम्भ- बुजुर्गो के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, केरियर को लेकर दूर की यात्रा होगी, शुभ कार्यों में लाभदायक सफलता प्राप्त होगी, मनोकांक्षा की पूर्ति होगी.

मीन- धीमी गति से चल रही योजनाओं में नुकसान होगा, गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें, रोगी की चिन्ता होगी, विशिष्टजनों का सहयोग रहेगा.

SUDOKU 7374

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7373

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1